गरवी गुजरात

TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 217
दि. 08.12.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

राष्ट्रपति 10 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में एनएचआरसी, भारत के मानव अधिकार दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगी

इस दिन को मानते हुए, 'दैनिक आवश्यताएं: सभी के लिए सार्वजनिक सेवाएं और सम्मान' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया जा रहा है, जो इस वर्ष के संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार दिवस की थीम को दर्शाता है

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा मुख्य भाषण देंगे

आयोग का मानना है कि उत्तरदायी शासन और कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण सभी के लिए बुनियादी सुविधाओं, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान को सुनिश्चित करने की कुंजी है

1993 में स्थापना के बाद से, एनएचआरसी ने 23.8 लाख से अधिक मामले दर्ज किए और मानव अधिकार उल्लंघन के पीड़ितों को राहत के रूप में 264 करोड़ रुपये की सिफारिश की

(जीएनएस)।

1950 से 10 दिसंबर को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला मानव अधिकार दिवस, 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) को अपनाए जाने की याद में मनाया जाता है। गरिमा, समानता और स्वतंत्रता के लिए एक वैश्विक घोषणा पत्र के रूप में, यूडीएचआर मानव अधिकारों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने के लिए विश्व में प्रयासों का मार्गदर्शन करता है।

इन सार्वभौमिक आदर्शों के अनुरूप, भारत का संविधान और मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993, उसी लोकाचार को प्रतिबिंबित करते हैं जिसके कारण 12 अक्टूबर 1993 को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत की स्थापना हुई। आयोग मानव अधिकार दिवस को सभी हितधारकों के लिए प्रत्येक व्यक्ति के मानव अधिकारों का सम्मान करने, उन्हें बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराने का अवसर मानता है। 10 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस वर्ष के मानव अधिकार दिवस समारोह में सरकारों, नागरिक समाज, शिक्षाविदों, मानव अधिकार रक्षकों, राजनयिकों, संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों, क्षेत्र के विशेषज्ञों जैसे विभिन्न हितधारक एनएचआरसी में शामिल होंगे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु एनएचआरसी के अध्यक्ष, न्यायमूर्ति श्री वी. रामसुब्रमण्यन, आयोग के सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि होंगी।

इस वर्ष के मानव अधिकार दिवस के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा चुनी गई थीम 'दैनिक आवश्यकताएं: सभी के लिए सार्वजनिक सेवाएं और सम्मान' के अनुरूप, इस दिन को मनाने के लिए, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत भी इसी स्थल

पर 'दैनिक आवश्यकताएं: सभी के लिए सार्वजनिक सेवाएं और सम्मान' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य भाषण प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा देंगे। यह विषय भारत की विकास यात्रा से पूरी तरह मेल खाता है जो इस बात पर जोर देता है कि मानव अधिकार केवल अमूर्त आकांक्षाएं नहीं हैं। ये दैनिक आवश्यकताएं हैं जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आवास, न्याय, वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं के माध्यम से किसी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करती हैं।

आयोग का मानना है कि बुनियादी सुविधाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने तथा सभी के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान के संवैधानिक वादे को पूरा करने के लिए उत्तरदायी शासन और कुशल सार्वजनिक सेवाएं आवश्यक हैं।

हाल के वर्षों में, देश ने प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, वन बंधु कल्याण योजना, आकांक्षी जिले एवं ब्लॉक कार्यक्रम आदि जैसी पहलों के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। हालांकि, इन कल्याणकारी नीतियों को निरंतर सुदृढ़ प्रयासों के साथ पूरक बनाने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पहुंच, जागरूकता और जवाबदेही में कोई कमी न रहे।

इस सम्मेलन के दो सत्रों - 'सभी के लिए बुनियादी सुविधाएं: एक मानव अधिकार दृष्टिकोण' और 'सभी के लिए सार्वजनिक सेवाएं और सम्मान सुनिश्चित करना' - का उद्देश्य इन पहलुओं पर चर्चा करना है। इन दोनों सत्रों में प्रख्यात क्षेत्र विशेषज्ञ, भारत सरकार के सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इन पहलों पर विचार-विमर्श करेंगे।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, भारत अपनी स्थापना के समय से ही नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों सहित सभी प्रकार के मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के अपने प्रयासों में अडिग रहा है। इसने सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों में मानव अधिकार-केंद्रित दृष्टिकोण को समाहित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, साथ ही विविध पहलों के माध्यम से लोक प्राधिकारियों और नागरिक समाज में जागरूकता भी बढ़ाई है।

जांच, खुली सुनवाई, शिविर बैठकों, स्व संज्ञान, राहत की सिफारिशों और नीतिगत सलाह के माध्यम से आयोग के सक्रिय हस्तक्षेप न्याय और जवाबदेही के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इसने स्व संज्ञान के मामलों सहित मानव अधिकार उल्लंघनों की 23.8 लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज की है और अपनी स्थापना के बाद से मानव अधिकार उल्लंघन के पीड़ितों के लिए 264 करोड़ रुपये की राहत की सिफारिश की है।

भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का प्रभाव निवारण से आगे बढ़कर व्यवस्थागत सुधार तक फैला हुआ है जो कानूनों और नीतियों की समीक्षा, विषयगत परामर्श और बाल अधिकारों और मानसिक स्वास्थ्य से लेकर पर्यावरण संरक्षण और श्रम कल्याण तक के मुद्दों पर शोध-आधारित पहलों में स्पष्ट है।

एसआईआर के काम में देरी पर सीएम योगी नाराज, अलीगढ़-मुजफ्फरनगर में फर्जी वोट पर दिखे चिंतित

अलीगढ़ (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी ने अलीगढ़ में कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में हैं। उन्होंने इन दोनों जिलों में मतदाता सूची तैयार करने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जरूरत पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलिकॉप्टर एएमयू के वेलिंगडन क्रिकेट पवेलियन में उतरा। इसके बाद वह सीधे काफिले के साथ अलीगढ़ के कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे। सभागार में मुख्यमंत्री के पहुंचते ही उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने 'जय श्री राम' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में किसी भी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। कलेक्ट्रेट में बैठक समाप्त होने के बाद, मुख्यमंत्री छेरत पहुचे। यहाँ वह पूर्व मंत्री और बरौली से विधायक ठाकुर जयवीर सिंह के बेटे के तिलक समारोह में शामिल हुए। निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छेरत से ही अपने हेलीकॉप्टर द्वारा कोटद्वार के लिए उड़ान भरी।

यूपी योगी आदित्यनाथ ने 7 दिसंबर को अलीगढ़ में हुई मंडलीय समीक्षा बैठक में मतदाता सूची की सटीकता और तैयारी पर गंभीर चिंता व्यक्त की और जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में हैं। उन्होंने इन दोनों जिलों में मतदाता सूची तैयार करने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जरूरत पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची के निरीक्षण में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी।

उम्मीद केंद्रीय पोर्टल की समय सीमा पूरी हुई

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू द्वारा भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए 6 जून 2025 को शुरू किया गया केंद्रीय पोर्टल उम्मीद भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों

और उम्मीद अधिनियम, 1995 के अनुसार 6 माह की विंडो पूरी होने पर आधिकारिक तौर पर 6 दिसंबर 2025 (शनिवार) को अपलोड के लिए बंद कर दिया गया।

अंतिम गणना में, समय सीमा नजदीक आते ही गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

साबरमती नदी के तट पर भव्य रूप से मनाया गया 'प्रमुख वरणी अमृत महोत्सव'

- केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में दिव्य समारोह आयोजित
- बीएपीएस प्रमुख महंत स्वामी महाराज ने आशीर्वचन दिए, प्रमुख स्वामी महाराज के प्रतिज्ञा पालन और परोपकार सहित कई गुणों का परिचय कराया
- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह :-
- प्रमुख स्वामी महाराज ने भक्ति और सेवा को एक-दूसरे के साथ जोड़कर 'नर में ही नारायण' के वेद वाक्य को चरितार्थ किया
- प्रमुख स्वामी महाराज ने अपने आचरण से सनातन धर्म का संदेश फैलाकर धीरे-धीरे कम होती जा रही भागवत श्रद्धा को पुनर्स्थापित किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- संतों के सान्निध्य में रहने से 'जो करता है, वह हरि करता है' का भाव और धर्मनिष्ठा के गुण आते हैं

गांधीनगर, 07 दिसंबर : बोचासणवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के प्रमुख के रूप में प्रमुख स्वामी महाराज को नियुक्त किए जाने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रविवार को अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर प्रमुख वरणी अमृत महोत्सव मनाया गया।

यह भव्य और दिव्य समारोह केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री

भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज के गुणों से जीवन का सार निकाला जा सकता है और जीवन के लिए उपयोगी बातें अपनाई जा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि साबरमती नदी के तट पर भी प्रमुख स्वामी के जीवन के 75 गुणों को नौकाओं के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है, जो लोगों को जीवन जीने का मार्ग दिखाने का काम करता है।

श्री शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज के जीवन और योगदान की दृष्टि से देखें, तो उन्होंने एक ओर तो अध्यात्म और वैष्णव दर्शन को व्यापक बनाया, और व्यापक बनाने से भी बड़ा कार्य उसे व्यावहारिक बनाने का किया। उन्होंने भक्ति और सेवा, दोनों को एक-दूसरे के साथ जोड़कर 'नर में नारायण' के हमारे वेद वाक्य को बिना कुछ भी कहे चरितार्थ करने का काम किया है।

श्री शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज करुणा के माध्यम से दूसरे जीव का उद्धार करने की हमारी वर्षों पुरानी ऋषि संस्कृति को फैलाकर न केवल स्वामीनारायण संप्रदाय, बल्कि पूरे सनातन धर्म के लिए बहुत बड़ा काम किया है। उन्होंने सनातन धर्म के अनेक संप्रदायों में संत का तत्व संचित करने का काम कोई उपदेश दिए बिना ही किया और संत समाज की संन्यास व्यवस्था को सुदृढ़ किया।

श्री शाह ने कहा कि धीरे-धीरे समाज में भागवत श्रद्धा कम होते जा रही थी, तब प्रमुख स्वामी महाराज और उनके हजारों संतों ने अपने आचरण से सनातन धर्म के लिए संदेश फैलाकर उस श्रद्धा को पुनर्स्थापित किया है।

उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म ने इतने हजारों वर्षों की यात्रा में अनेक संकटों का सामना किया। आजादी के बाद संत समाज और संन्यास व्यवस्था के प्रति समाज की श्रद्धा कम होना, यह सबसे बड़ा संकट था। इस संकट से बाहर आने के लिए प्रमुख स्वामी महाराज ने उपदेश का एक भी शब्द कहे बिना, अपने और अपने अनुयायी संतों के आचरण के जरिए एक सुंदर मार्ग ढूंढ़ निकाला, जो आज सनातन धर्म के संन्यासियों के लिए मार्गदर्शक बन गया है।

श्री शाह ने साबरमती नदी के तट को संतों के समर्पण का साक्षी बताया। उन्होंने दधीचि ऋषि का उदाहरण दिया और कहा कि इसी साबरमती के तट से महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के शस्त्र से देश को स्वतंत्रता दिलाई।

उन्होंने कहा कि इसी अहमदाबाद में आमलीवाळी पोळ (इमलीवाली पोल) में प्रमुख स्वामी महाराज ने प्रमुख पद की सेवा स्वीकार की और 1950 से 2016 तक उनके द्वारा किए गए सभी कार्य आज समग्र देश के सभी संप्रदायों के लिए उदाहरणीय बने हैं।

श्री शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि आज के कार्यक्रम से आमलीवाळी पोळ न केवल गुजरात या भारत, बल्कि समग्र विश्व के लिए मुलाकात का अविस्मरणीय स्थान बनेगी।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुरुग्राम के रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ किया

भारत के संतों, ऋषियों और मुनियों की तपस्या और ध्यान राष्ट्र के शाश्वत ज्ञान का आध्यात्मिक आधार है: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने प्रसन्नता व्यक्त की कि महिलाओं के नेतृत्व वाली ब्रह्म कुमारी फाउंडेशन हमारे नागरिकों को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध कर रही है

तीव्र संसार में भावनात्मक संतुलन और विकसित भारत@2047 के लिए आंतरिक शांति के लिए ध्यान आवश्यक है: उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज गुरुग्राम में ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर (ओएसआरसी) के रजत जयंती वर्ष समारोह का शुभारंभ किया।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने इस केंद्र के समारोह में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसकी स्थापना 24 वर्ष पहले ब्रह्म कुमारी के आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हुई थी और अब यह अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने केंद्र के शांति और ध्यान के

संदेश की ओर आकर्षित होने वाले वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, प्रशासकों, राजनेताओं जैसे पेशेवरों की विविधता की सराहना की। उन्होंने ब्रह्म कुमारी को दुनिया के सबसे बड़े महिला-नेतृत्व वाले आध्यात्मिक संगठन के रूप में उभरने के लिए बधाई दी।

उपराष्ट्रपति ने आध्यात्म, ध्यान और अंतः जागरण में निहित भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत पर जोर दिया। उन्होंने संतों, ऋषियों और मुनियों के गहन योगदान को याद किया जिनकी तपस्या और ध्यान साधना ने भारत के शाश्वत ज्ञान को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि राजयोग और विपश्यना जैसी परंपराएं इस बात के महत्व को इंगित करती है कि सच्ची शक्ति और स्पष्टता भीतर से ही उभरती है।

श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने इस आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने और भारत तथा विदेशों में लाखों लोगों को मन की शांति और पवित्रता की ओर मार्गदर्शन करने के लिए ब्रह्म कुमारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमृत काल में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक विकसित भारत @2047 की कल्पना की है, जहां आर्थिक विकास, आंतरिक स्थिरता, प्रसन्नता और शांति पूरक हो। उन्होंने कहा कि आज के तीव्र संसार में ध्यान को एक आवश्यक जीवन कौशल के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने वीर नारियों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने की अपील की

(जीएनएस)।

राष्ट्र 7 दिसंबर, 2025 को सशस्त्र सेना झंडा दिवस (एएफएफडी) मना रहा है जो सशस्त्र बलों की बहादुरी, समर्पण, बलिदान और अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान करने का एक पवित्र अवसर है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने बाहरी और आंतरिक, दोनों ही चुनौतियों से राष्ट्र की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और एएफएफडी कोष में उदारतापूर्वक योगदान के माध्यम से पूर्व सैनिकों, विकलांग कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याणकारी कार्यक्रमों का समर्थन करने वाले नागरिकों और संगठनों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने लोगों से इस कोष में दान देना जारी रखने और भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों और शहीद नायकों के आश्रितों के सम्मानजनक पुनर्वास और कल्याण के

प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया।

रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा, "सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, मैं हमारे सशस्त्र बलों के पराक्रम और बलिदान को नमन करता हूं। उनका साहस हमारे राष्ट्र की रक्षा करता है और उनकी निस्वार्थ सेवा हमें उस ऋण की याद दिलाती है जिसे हम कभी चुका नहीं सकते। मैं सभी से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह करता हूं। आपका समर्थन उनके समर्पण का सम्मान करता है और हमारी रक्षा करने वालों को मजबूती प्रदान करता है।"

रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका और रक्षा तथा मानवीय कार्यों में उनकी असाधारण प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों को उनकी कुशलता और साहस का प्रमाण बताया।

सचिव (सैन्य मामलों के विभाग) और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भारत की रक्षा तैयारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा में सेवारत कर्मियों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की दृढ़ सेवा, अदम्य साहस और निरंतर योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, "हम अपने सैनिकों, नौसैनिकों और वायु योद्धाओं की अटूट प्रतिबद्धता, असाधारण वीरता और सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने सभी सीमाओं और क्षेत्रों में राष्ट्र की संप्रभुता की दृढ़ता से रक्षा की है।"

सम्पादकीय

फ्लैग सैन्य बलों की आन-बान-शान का प्रतीक

झंडा दिवस यानी देश की सेना के प्रति सम्मान प्रकट करने का दिन। सशस्त्र सेना झंडा दिवस प्रत्येक वर्ष 7 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1949 से हर साल 7 दिसंबर को मनाया जाता है। झंडा दिवस का उद्देश्य भारत की जनता द्वारा देश की सेना के प्रति सच्ची श्रद्धा और सम्मान प्रकट करना है। सरहद की रक्षा के लिए हमारे जवान रात-दिन मुस्तैदी से राष्ट्र की सेवा में लगे रहते हैं।

तिरंगे की रक्षा के साथ ही सैन्य फ्लैग उनकी आन-बान-शान का प्रतीक है। उन जांबाज सैनिकों के प्रति एकजुटता दिखाने का दिन, जो देश की तरफ आंख उठाकर देखने वालों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए। देश की सीमा की सुरक्षा नौसेना, थल सेना एवं वायु सेना करती है। भारतीय सेना झंडा दिवस तीनों सेनाओं के जवानों के कल्याण के लिए मनाया जाता है।

इस दिन शहीदों और वीर सेनानियों के उन लोगों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने देश की रक्षा के किए दुश्मनों का मुकाबला किया है और अपना सब वुछ देश के नाम कर दिया है। सशस्त्र झंडा दिवस पर जांबाज सैनिकों व उनके परिजनों के प्रति नागरिक एकजुटता प्रर्दशित करने का दिन है। हर एक नागरिक का कर्तव्य है कि वे सात दिसंबर को सैनिकों के सम्मान व उनके कल्याण में अपना योगदान दें। इस दिन जो राशि एकत्र की जाती है. वह झंडा दिवस कोष में जमा कर दी जाती है। इस राशि का इस्तेमाल युद्धों में शहीद हुए सैनिकों के परिवार, हताहत हुए सैनिकों के कल्याण व पुनर्वास में खर्च की जाती है। यह राशि सैनिक कल्याण बोर्ड की माध्यम से खर्च की जाती है। देश के हर नागरिक को चाहिए कि वह झंडा दिवस कोष में अपना योगदान देकर देश के झंडे का सम्मान हमेशा बनाए रखे। 7 दिसंबर, 1949 से शुरू हुआ यह सफर आज तक जारी है।

आजादी के तुरंत बाद सरकार को लगने लगा कि सैनिकों के परिवार वालों की भी जरूरतों का ख्याल रखने की आवश्यकता है और इसलिए 7 दिसंबर को झंडा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इसके पीछे सोच थी कि जनता में छोटे-छोटे झंडे बांट कर दान अंजित किया जाएगा जिसका फायदा शहीद सैनिकों के आश्रितों को होगा। शुरूआत में इसे झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता था लेकिन 1993 से इसे सशस्त्र सेना झंडा दिवस का रूप दे दिया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरु ने कहा था, मैंने भारत और चीन के बॉर्डर का दौरा किया। मैं सेना के अधिकारियों और जवानों से मिला जो वहां पर अंतराष्ट्रीय मिशन से जुड़े हुए थे। मुझे उन्हें देखकर एक अजीब सा रोमांच पैदा हुआ जब मैंने देखा कि वह वैसे अपने अच्छे काम को एक ऐसी जगह पर अंजाम दे रहे हैं जो घर से काफी दूर और सूनसान है। उन्होंने आगे कहा, इससे भी ज्यादा मुझे यह देखकर काफी अच्छा लगा कि सैनिक आम जनता के बीच भी काफी लोकप्रिय थे। मुझे उम्मीद है कि देशवासी उनसे वुछ सीखेंगे और उनकी प्रशंसा करेंगे। फ्लैग डे पंड में योगदान देना भी उनकी इसी प्रशंसा का एक हिस्सा है। मोदी सरकार वेंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कर्मियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और परिवार के साथ बिताये जाने वाले समय में वृद्धि सुनिाित करने के लिए काम कर रही है, जो बहुत कठिन परिस्थितियों में भारत के सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। हम वैज्ञानिक रूप से यह सुनिाित करने के लिए भी काम कर रहे हैं कि प्रत्येक जवान को हर साल अपने परिवारों के साथ 100 दिन बिताने का मौका मिले।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और भागवत कथाकार श्री रमेशभाई ओझा के करकमलों से गुजरात की प्रथम महिला मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन

पार्टी ने ही किया है मेरे जीवन का निर्माण : श्रीमती आनंदीबेन पटेल

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता श्री अमित शाह :-

- श्रीमती आनंदीबेन का जीवन संघर्ष-शक्ति के बल पर आगे बढ़ने की एक प्रेरणादायी गाथा है
- 'पोजिशन' नहीं, बल्कि 'पर्पज' के लिए काम करने वाले नेताओं में से एक हैं श्रीमती आनंदीबेन
- श्रीमती आनंदीबेन 85 वर्ष की उम्र में जिस फुर्ती से यूपी के राज्यपाल के रूप में काम कर रही हैं, वह युवाओं के लिए प्रेरक है

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती आनंदीबेन पटेल की निष्ठा और कार्यक्षमता गुजरात के लोगों के दिल में आज भी अंकित है
- श्रीमती आनंदीबेन पटेल कुशल संगठक के अलावा उम्दा शासक भी सिद्ध हुई हैं
- 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' पुस्तक नारी शक्ति को हमेशा प्रेरणा और आत्मबल देती रहेगी

गांधीनगर, 07 दिसंबर : गुजरात की प्रथम महिला मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के गुजराती संस्करण का विमोचन समारोह रविवार को अहमदाबाद में आयोजित हुआ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और भागवत कथाकार भाई श्री रमेशभाई ओझा के करकमलों से इस पुस्तक का विमोचन हुआ।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने इस अवसर पर श्रीमती आनंदीबेन पटेल की संघर्ष-शक्ति और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि श्रीमती आनंदीबेन का जीवन संघर्ष-शक्ति के बल पर आगे बढ़ने की एक प्रेरणादायी गाथा है। इस पुस्तक में उनकी जीवन यात्रा के प्रेरणा बिंदुओं का सुंदर तरीके से वर्णन किया गया है। उन्होंने कहा कि आनंदीबेन ने सार्वजनिक जीवन में अपने संघर्ष और मजबूत नेतृत्व के जरिए संगठन निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है।

श्री अमित शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती आनंदीबेन के जीवन पर आधारित यह पुस्तक अनेक पाठकों के जीवन में प्रेरणा देने का काम करेगी।

श्री अमित शाह ने आगे कहा कि श्रीमती आनंदीबेन 'पोजिशन' के लिए नहीं, बल्कि 'पर्पज' के लिए काम करने वाले नेताओं में से एक हैं। वे जनहित के लिए एकजुटता के साथ काम करते रही हैं। आनंदीबेन ने गुजरात जैसे प्रगतिशील राज्य की मुख्यमंत्री, सांसद और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में सेवाएं दी हैं। निम्न एवं मध्यम वर्गीय सामान्य परिवार से आने वालीं आनंदीबेन पटेल लोगों के लिए लगातार संघर्ष करते हुए आगे आईं हैं। शिक्षक से लेकर सर्वोच्च पद तक की उनकी यात्रा भारतीय नारी शक्ति की दृढ़ता की मिसाल है।

श्री शाह ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के रूप में श्रीमती आनंदीबेन की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि 85 वर्ष की उम्र में भी वे उत्तर प्रदेश में जिस फुर्ती से काम कर रही हैं, वह युवाओं के लिए प्रेरक है और सभी के लिए गौरव का विषय है। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक जीवन में गुणात्मक सुधार लाने के प्रयास हुए हैं। उनके परिश्रम से उत्तर प्रदेश की लगभग यूनिवर्सिटियों ने यूजीसी रजिस्ट्रेशन पूर्ण किया है।

श्री अमित शाह ने संगठन के क्षेत्र में आनंदीबेन के योगदान की विशेष रूप

से सराहना की। उन्होंने कहा कि श्रीमती आनंदीबेन ने लोगों में से कार्यकर्ता खड़े किए हैं और यही आनंदीबेन की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने संगठन निर्माण के लिए एक योजना बनाई और गुजरात में प्रवास करके भाजपा को मजबूत बनाया। श्री शाह ने बूथ डॉक्यूमेंटेशन के श्री नरेन्द्र मोदी के विचार को पार्टी के विकास का प्रेरणास्रोत करार दिया और कहा कि आनंदीबेन सहित अन्य नेताओं के प्रयासों से भारतीय जनता पार्टी ने बूथ निर्धारित किए और नए सदस्यों को जोड़कर सदस्यता अभियान को गति दी। इसके परिणामस्वरूप पार्टी ने लगातार विकास किया और सत्ता में आ सकी।

उन्होंने आनंदीबेन के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षिका, समाज सेविका और राजनेता के रूप में उम्दा कार्य किया है। जीवन में संघर्ष करते हुए वे विधायक, शिक्षा मंत्री, राजस्व मंत्री, मुख्यमंत्री और तीन राज्यों की राज्यपाल बनीं हैं। राजस्व मंत्री के रूप में उन्होंने नर्मदा योजना के लिए भूमि अधिग्रहण का काम कम से कम समय में पूरा करने का देश में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया।

इस अवसर पर अपनी अनुभव गाथा का वर्णन करते हुए श्रीमती आनंदीबेन कहा कि सूखे के उन वर्षों में जब वे गुजरात में गांव-गांव घूम रही थीं, तब भाजपा के उस समय के नेताओं ने भाजपा में जुड़ने के लिए कहा और बड़ी जिम्मेदारी सौंपी, जिसने उनके राजनीतिक जीवन का निर्माण किया। उन्होंने भाजपा के भय, भूख और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के नारे को साकार करने के लिए उनके द्वारा लिए गए मजबूत निर्णयों के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी ने ही उनके जीवन का निर्माण किया है। उन्होंने घोषणा की कि इस पुस्तक की बिक्री से प्राप्त होने वाला सारा पैसा बेटियों की शिक्षा के लिए उपयोग में लिया जाएगा।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुजरात में अपने कामकाज के संबंध में बात करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में अपनी गतिविधियों के बारे में भी बताया। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुझाव के अनुसार आंगनबाड़ी से लेकर यूनिवर्सिटियों में शिक्षा का स्तर ऊंचा लाने के लिए उत्तर प्रदेश में प्रयास किए जा रहे हैं। इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि सरकार की योजनाओं का सही ढंग से कार्यान्वयन हो।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अटल निर्णय शक्ति, मजबूत संकल्प और धारा के विपरीत जाकर भी जनहित के कार्य करने के स्वभाव से हम सभी अवगत हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमती आनंदीबेन कुशल संगठक के अलावा उम्दा शासक भी साबित हुई हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनकी निष्ठा और कार्यक्षमता गुजरात के लोगों के दिल में आज भी अंकित है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज अनावरित हुई पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के शीर्षक में ही श्रीमती आनंदीबेन की प्रेरणादायी यात्रा की बात समाविष्ट हो जाती है। खरोड जैसे छोटे-से गाँव में जन्मीं श्रीमती आनंदीबेन ने देश के सबसे विकसित राज्य गुजरात की प्रथम महिला मुख्यमंत्री और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की राज्यपाल तक की यात्रा में जिन अनेक चुनौतियों का सामना किया, उनका विवरण इस पुस्तक में है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया 'चुनौतियां मुझे पसंद है' नारी शक्ति को सदा-सर्वदा प्रेरणा एवं आत्मबल देने वाली पुस्तक सिद्ध होगी। उन्होंने जोड़ा कि हर गुजराती के घर में तथा हर युवती के हाथ में यह पुस्तक होनी चाहिए।

देश की एकता व अखंडता को मजबूत करने के लिए आयोजित हुई कन्याकुमारी से कश्मीर तक की एकता यात्रा में प्रदेश महिला मोर्चे की अध्यक्ष के रूप में श्रीमती आनंदीबेन पटेल सहभागी हुई थीं और 26 जनवरी को जब श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा फहराया गया था, उस समय डॉ. मुरली मनोहर जोशी एवं वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित उपस्थित केवल दो-ढाई सौ लोगों में श्रीमती आनंदीबेन भी शामिल थीं। इस प्रसंग का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके ऐसे साहस एवं चुनौती से निपटने की सूझबूझ के उदाहरण इस पुस्तक में समाहित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कुशल संगठक के रूप में श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा सदस्यता अभियान में 14 लाख लोगों को पार्टी सदस्य के रूप में सफलतापूर्वक जोड़े जाने की घटना को भी याद किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षिका के रूप में कॅरियर शुरू करने वालीं आनंदीबेन ने शिक्षा मंत्री के रूप में गुजरात के गाँव-गाँव जाकर शिक्षा की ज्योत प्रज्वलित की थी। श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि एक विधायक, मंत्री एवं प्रथम महिला मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती पटेल ने महिला सशक्तिकरण, बालिकाओं की शिक्षा, जल संचय, स्वच्छता, सुशासन तथा विकास के अनेक क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती पटेल ने सदैव गुजरात की अस्मिता तथा प्रगति को सर्वोपरि रखा।

मेरा सिर कांप रहा था-मैं बस भागी', मौत के मुंह से निकलीं डांसर क्रिस्टीना शेख कौन हैं?

(जीएनएस)।

गोवा के अरपोरा स्थित लोकप्रिय नाइटक्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' में शनिवार (6 दिसंबर) रात को लगी भयानक आग ने एक बार फिर सुरक्षा मानकों की पोल खोल दी है। इस हादसे में 25 लोगों की जान चली गई, जिनमें चार पर्यटक और 14 कर्मचारी शामिल हैं, जबकि सात अन्य की पहचान अभी बाकी है। छह लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज जारी है। लेकिन इस तबाही के बीच एक

चमत्कारिक कहानी उभरकर आई है- कजाकिस्तान की प्रोफेशनल डांसर क्रिस्टीना शेख की।

मंच पर नाचते हुए आग की लपटों का सामना करने वाली क्रिस्टीना ने अपनी जान गंवाने से ठीक पहले एक क्रू मेंबर की सूझबूझ से बच निकलने का दिल दहला देने वाला बयान दिया है।

क्रिस्टीना शेख कौन हैं? एक नजर में उनकी प्रोफाइल

क्रिस्टीना शेख, मूल रूप से कजाकिस्तान की रहने वाली एक प्रतिभाशाली नृत्य कलाकार हैं, जो गोवा के रंगीन नाइटलाइफ का हिस्सा बनी हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका पूरा नाम या पारिवारिक पृष्ठभूमि ज्यादा सार्वजनिक नहीं है, लेकिन उन्हें 'प्रोफेशनल डांसर फ्रॉम कजाकिस्तान' के तौर पर जाना जाता है।

गोवा में वे रोमियो लेन के बर्च नाइटक्लब के अलावा थलासा ग्रीक ट्रैवर्ना रेस्तरां और अन्य लोकप्रिय स्पॉट्स पर परफॉर्म करती हैं। एक मां होने के नाते, वे अपनी बेटी के साथ गोवा में रहती हैं और पर्यटन राजधानी के क्लब सर्किट में अपनी ऊजार्वान डांस परफॉर्मेंस के लिए मशहूर हैं। वायरल वीडियो में उन्हें 'मेहबूबा ओ मेहबूबा' जैसे बॉलीवुड गानों पर थिरकते देखा जा सकता है, जो उनकी कला के प्रति समर्पण को दशार्ता है।

'डांस फ्लोर पर जश्न, फिर अचानक धुंआ और लपटें'

6 दिसंबर की रात करीब 12 बजे, जब क्लब 'बॉलीवुड बैंगर नाइट' के चरम पर था, क्रिस्टीना अपनी दूसरी परफॉर्मेंस के दौरान मंच पर थीं। लगभग 100 पर्यटक डांस फ्लोर पर मस्ती में डूबे थे। वायरल वीडियो में क्रिस्टीना को 'शोले' फिल्म के हिट गाने 'मेहबूबा ओ मेहबूबा' पर नाचते हुए दिखाया गया है, जहां भीड़ तालियां बजा रही है। लेकिन कुछ ही पलों में माहौल बदल गया- कंसोल के पीछे से आग की लपटें भड़क उठीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रिस्टीना ने कांपती आवाज में बताया, 'मेरा प्रदर्शन चल रहा था। अचानक शॉर्ट सर्किट या गैस सिलेंडर ब्लास्ट की वजह से आग लग गई। संगीत बंद हो गया, और मैं स्तब्ध रह गई। मेरा सिर कांप रहा था, मैं बस रो रही थी और बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रही थी।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा पहला ख्याल चेंजिंग रूम जाने का था, जहां मेरे कपड़े थे। लेकिन एक क्रू मेंबर ने मुझे रोक लिया और चिल्लाया, 'वहां मत जाओ!' आग तो पहले से ही ग्रीन रूम और बेसमेंट में फैल चुकी थी। उनकी ये चेतावनी मेरी जान बचा गई।'

'घर पहुंचकर बेटी को लगाया गले'

क्रिस्टीना ने बताया कि क्लब के मैनेजर और स्टाफ ने तुरंत एक्शन लिया। लोग एक-दूसरे की मदद करते हुए मुख्य गेट की ओर भागे। लेकिन संकरी गलियां, पाम लीव्स से सजी अस्थायी संरचना और अपर्याप्त एग्जिट रूट्स ने बचाव को मुश्किल बना दिया। फायर ब्रिगेड को वाहन 400 मीटर दूर पार्क करने पड़े। क्रिस्टीना ने कहा, 'मैं भागी, लेकिन पीछे मुड़कर देखा तो धुंआ से सब कुछ ढक चुका था। घर पहुंचकर जब मैंने अपनी बेटी को गले लगाया, तभी पूरा डर महसूस हुआ। मैं जिंदा हूं, इसके लिए भगवान का शुक्रिया।'

हादसे की भयावहता: गैस ब्लास्ट और सुरक्षा चूक

पुलिस के मुताबिक, आग किचन एरिया में गैस सिलेंडर विस्फोट से शुरू हुई, जो तेजी से डांस फ्लोर और बेसमेंट तक फैल गई। ज्यादातर मौतें दम घुटने से हुईं, क्योंकि कई कर्मचारी किचन में फंस गए- जो एक 'डेड एंड' जैसा था। क्लब 2024 में खुला था, लेकिन लोकल पंचायत ने इसे बिना परमिशन के अवैध निर्माण घोषित किया था। डेमोलिशन नोटिस जारी हुए थे, लेकिन अपील पर रह गए। गोवा डीजीपी अलोक कुमार ने कहा, 'सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हुआ। हम दोषी हत्या का केस दर्ज कर चुके हैं।'

सरकारी प्रतिक्रिया: मुआवजा, जांच और सख्ती का वादा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस 'बेहद दुखद' हादसे पर शोक जताते हुए प्रत्येक मृतक के परिवार को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुदान राशि की घोषणा की। उन्होंने सीएम प्रमोद सावंत से बात की, जिन्होंने पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। सावंत ने घटनास्थल का दौरा कर कहा, ' गोवा जैसे पर्यटन राज्य के लिए ये दुर्भाग्यपूर्ण है। मैंने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। अवैध संचालन और सुरक्षा उल्लंघन वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।' क्लब मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मालिक के खिलाफ वारंट जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह , राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष नेता राहुल गांधी ने भी शोक संदेश दिए। राहुल ने इसे 'सुरक्षा और शासन की आपराधिक नाकामी' करार देते हुए पारदर्शी जांच की मांग की। कैलंगुट विधायक माइकल लोबो ने सभी क्लबों में फायर सेफ्टी ऑडिट का ऐलान किया।

भगदड़ के बाद आरसीबी का क्या होगा? कर्नाटक सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम को लेकर किया अंतिम फैसला

(जीएनएस)।

आईपीएल में पिछला सीजन जीतने के बाद आरसीबी के जश्न के दौरान बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई थी। उसके बाद कर्नाटक सरकार ने वहां मुकाबले आयोजित करने पर पाबंदी की बात कही। इस पर आरसीबी ने आगामी आईपीएल के लिए नए स्टेडियम की तलाश शुरू कर दी थी। अब एक बड़ी खबर सामने आई है।

कर्नाटक के डिप्टी चीफ मिनिस्टर डीके शिवकुमार ने रविवार को क्रिकेट प्रेमियों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की है कि बेंगलुरु का प्रतिष्ठित चिन्नास्वामी स्टेडियम भविष्य में भी इंडियन प्रीमियर लीग के मैचों की मेजबानी करता रहेगा।

डीके शिवकुमार ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) के अध्यक्षीय चुनावों में वोट डालने के बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जून 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) की IPL 2025 की जीत के बाद हुए जश्न के दौरान हुई दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन इसके कारण बेंगलुरु से क्रिकेट का रोमांच दूर नहीं होगा।

डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार और प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएँ न हों और चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट आयोजन बेंगलूरू के सम्मान को बनाए रखते हुए किए जाएँगे। उन्होंने अपने बयान से दर्शा दिया है कि आरसीबी के फैन्स को एक बार फिर से बेंगलुरु में ही मुकाबले देखने को मिलने वाले हैं।

कर्नाटक सरकार की योजना अधिक क्षमता वाला बड़ा स्टेडियम बनाने की भी है। फिलहाल मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे, यह घोषणा बेंगलुरु के क्रिकेट फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है, जो अपने घरेलू मैदान पर अपनी पसंदीदा टीम RCB को खेलते देखना चाहते हैं।

पहली बार टाइटल जीतने के बाद आरसीबी का जश्न हो रहा था, उस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई दुखद भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में 50 से अधिक लोग घायल भी हुए थे। फैन्स बड़ी संख्या में स्टेडियम के अंदर प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे।

15 साल से अटके मुंबई-गोवा हाईवे प्रोजेक्ट की डेडलाइन जारी, केंद्रीय मंत्री ने दिया अपडेट

(जीएनएस)।

मुंबई-गोवा हाईवे प्रोजेक्ट का काम पिछले 15 सालों से अटका पड़ा है। इस हाईवे के पूरा होने से पर्यटकों को राहत मिलेगी। साथ ही, पूरे कोंकण क्षेत्र की कनेक्टिविटी बहुत बेहतर होगी। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में इस हाईवे प्रोजेक्ट की नई डेडलाइन पर अपडेट दिया है। उनके अनुसार, कोंकण क्षेत्र से मुंबई की यात्रा अब पहले से ज्यादा सुगम और तेज होने वाली है। विंटर सेशन के दौरान महाराष्ट्र के तीन प्रमुख सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि हाईवे का काम अब अंतिम चरण में है।

गडकरी ने कहा कि वर्ष 2009 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट का 89% काम पूरा हो चुका है। बचे हुए काम को अप्रैल 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद अरविंद सावंत के सवाल के जवाब में उन्होंने यह जानकारी दी। यह हाईवे सड़कों, पुराने हाईवे और एक्सप्रेसवे नेटवर्क को जोड़ते हुए

कोंकण के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरता है।

कोंकण क्षेत्र की कनेक्टिविटी होगी बेहतर

- यह फोर-लेन हाईवे पनवेल, रत्नागिरी, गोवा और कई ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग होगा।
- पहले इसकी डेडलाइन 2025 तय की गई थी, लेकिन कई तकनीकी और प्रशासनिक वजहों से काम में देरी हुई।
- अब परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है और 2026 में इसे आम ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा।
- इस हाईवे के पूरा होने से पर्यटकों के साथ आम लोगों को फायदा मिलेगा। सड़क मार्ग से मुंबई से गोवा पहुंचने में सिर्फ 6 घंटे लगेंगे।

7,300 करोड़ की राशि से बन रहा हाईवे

अभी सड़क मार्ग से मुंबई से गोवा पहुंचने में करीब 12 घंटे लगते हैं। हाईवे खुलने के बाद यह यात्रा घटकर सिर्फ 6 घंटे रह जाएगी। 466 किमी लंबा यह हाईवे लगभग 7,300 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा है। इस हाईवे प्रोजेक्ट में सड़कों का चौड़ीकरण और नए एक्सप्रेसवे जैसे फीचर्स जोड़े जा रहे हैं। इससे यात्रा को तेज और सुरक्षित बनाएंगे। मानगांव, इंदापुर, पाली, लांजा, कोलाड और चिपलून में बाईपास, अंडरपास और फ्लाईओवर निर्माण से इन शहरों में भी ट्रैफिक के दबाव में कमी आएगी।

मुंबई-गोवा हाईवे के अलावा, धुले-पिंपलगांव फोर-लेन रोड को सिक्स-लेन में बदलने की मंजूरी भी दी गई है। वहीं पुणे-कोल्हापुर रोड अगले एक साल के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।

चिड़चिड़ेपन का खेलों पर दुष्प्रभाव और उनकी होम्योपैथिक चिकित्सा :----डॉ एम डी सिंह

उल्लास उमंग और उत्साह किसी भी खेल के स्थाई भाव हैं, जिनके मूल में हैं उत्सव और आनंद। इस तरह खेल में चिड़चिड़ापन को कोई जगह नहीं। यदि किसी खिलाड़ी में चिड़चिड़ापन आया तो वह खेल भावना को आघात पहुंचाएगा। हॉकी, फुटबॉल, बास्केट बाल, हैंड बाल, जैसे टीम गेम में जानबूझकर फाउल करने वाले खिलाड़ी चिड़चिड़ापन के शिकार होते हैं। उन्हें रेफरी द्वारा खेल के बीच में पीला अथवा लाल कार्ड दिखाकर अस्थाई अथवा स्थाई रूप से मैच से बाहर कर दिया जाता है जो उनकी टीम के लिए हार का कारण बन सकता है। ऐसे खिलाड़ी अपने कोच मैनेजर और स्क्वायड के अन्य साथियों के साथ भी अभद्रता से पेश आते हैं।

चिड़चिड़ापन खिलाड़ी की एकाग्रता को भंग करता है। विपक्षी खिलाड़ी और टीम ऐसे खिलाड़ी को टारगेट करते हैं और जानबूझकर इरिटेट कर उसके खेल को प्रभावित कर देते हैं। ऐसा हर स्तर के प्रत्येक टीम गेम में निरंतर दिखाई पड़ता है। और खेल की एक स्वाभाविक हिस्से की तरह दिखाई पड़ता है किंतु होता नहीं।

कोच अथवा होम्योपैथिक चिकित्सक ऐसे लूज टेंपर्ड खिलाड़ियों की पहचान कर निम्नलिखित में से किसी एक दवा का चयन करके उसे खिलाड़ी की समस्या का समाधान कर सकते हैं।

1- एकोनाइट नेपलस :

जब कोई खिलाड़ी तेज रफ्तार खेल के मध्य अचानक उत्तेजित होकर लड़ पड़े तो इस दवा की एक खुराक उसे शांत कर देगी।

2- बेराइटा कार्ब :

इस दवा का स्वभावगत लक्षण है खिलाड़ी का अकेले रहना और अकेले खेलना। ऐसा स्वभाव चिड़चिड़ापन का सबसे बड़ा कारण है। इस दवा के हजार पोटेंसी की एक खुराक बिना बताए पहले से ही खिला दिया जाए तो उस खिलाड़ी का स्वभाव ही बदल जाएगा।

3- कैमोमिला :

बात बे बात अनावश्यक लड़ना-झगड़ना।

4- मेडोरिनम :

यदि कोई खिलाड़ी तारीफ में भी पीठ थपथपाने पर क्रोधित हो जाए तो इस दवा की 1000 शक्ति की एक खुराक बिना बताए देकर उसके इस स्वभाव से छुटकारा पाया जा सकता है।

5- लैकेसिस :

उच्च रक्तचाप की वजह से खिड़की में चिड़चिड़ापन उत्पन्न होना।

6- कैलकेरिया कार्ब :

कभी यदि कोई कोच कुछ खिलाड़ियों के साथ विशेष लगाव दिखाए और कुछ को कम अहमियत दे तो ऐसी अवस्था खेल की भावना को विकृत करेगी। ऐसी अवस्था में खिलाड़ियों में चिड़चिड़ापन उत्पन्न होना स्वाभाविक है। इस स्थिति में खिलाड़ी को नहीं कोच को बिना बताए इस दवा के 200 शक्ति की एक खुराक देनी पड़ेगी ताकी वह सारे खिलाड़ियों के साथ समान रूप से लगाव दिखाए।

टिप्पणी-

(यदि मनोरोगियों को बता कर दवा दिया जाए तो उनका मन दवा को अस्वीकार कर देगा, क्योंकि वह अपने को रोगी मानेगा ही नहीं।)

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे चलाएगी बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा - मदार के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की सुविधा तथा यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने एवं अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा - मदार स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09604/09603 बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा - मदार सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09604 बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल मंगलवार, 09 दिसम्बर 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 15:10 बजे दुगार्पुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09603 मदार - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को मदार से 18:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनो दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों पर ठहरेंगी। मदार स्टेशन से प्रस्थान करनेवाली ट्रेन संख्या 09603 का किशनगढ़, जयपुर और दुगार्पुरा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में AC-2 टियर, AC-3 टियर, AC-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09604 की बुकिंग 08.12.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

माननीय सांसद श्रीं मितेषभाई पटेल और माननीय मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी ने हरी झंडी दिखाकर की वासद - कठाणा खंड पर डेमू सेवा की शुरूआत

आणंद के माननीय सांसद श्रीं मितेषभाई पटेल, गुजरात सरकार के माननीय खाद्य विभाग,नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता सुरक्षा मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी तथा उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा आज, 7 दिसंबर, 2025 को कठाणा में आयोजित समारोह में कठाणा से डेमू को हरी झंडी दिखाकर वासद - कठाणा खंड पर इस सेवा को पुनर्बहाल किया गया। इस अवसर वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके एवं मंडल के वरिष्ठ अन्य अधिकारी, प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित थी। उद्घाटक सेवा के रूप में यह डेमू ट्रेन कठाणा से वासद के बीच परिचालित की गई । 8 दिसंबर, 2025 से यह डेमू अपनी नियमित सेवा के रूप में कठाणा और वडोदरा के बीच परिचालित होगी। माननीय जनप्रतिनिधियों ने डेमू सेवा में सफर भी किया।

आणंद के माननीय सांसद श्रीं मितेषभाई पटेल ने वर्षों बाद जनता की मांग पर इस सेवा को पुनः शुरू किये जाने पर खुशी जाहिर की। श्री पटेल ने कठाणा के लोगो को बधाई देते हुए कहा कि यह ट्रेन शुरू होने से स्थानीय निवासियों को काफी सहूलियत होगी। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी जी का आभार प्रकट किया कि वो अपने व्यस्त जीवन में भी राष्ट्र की जनता की चिंता करते है और गुजरात में भयंकर बाढ़ के बाद उन्होंने गुजरात सरकार और रेल मंत्री जी के साथ जनता की परेशानिया दूर करने की योजना बनाई। उन्होंने माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का भी धन्यवाद किया, जिनके निर्देश पर यह सपना साकार हुआ। उन्होंने वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के पॉजिटिव सपोर्ट का भी धन्यवाद दिया। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक से ट्रेन के स्टॉपेज बढ़ाने और इस मार्ग पर भविष्य में इलेक्ट्रिक ट्रेन चलाने की मांग की।

गुजरात सरकार के माननीय खाद्य विभाग,नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता सुरक्षा मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी ने जनमानस को सम्बोधित करते हुए बताया कि इस ट्रेन को कोरोना काल के बाद दुबारा चलाने की मांग सोशल मीडिया पर भी लोगों द्वारा जोर शोर से हो गए थी।आज जनता का सपना साकार हो रहा है और कोरोना काल के बाद इस रेलखंड पर पुनः यह डेमू ट्रेन शुरू हो रही है। उन्होंने माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का विशेष तौर पर धन्यवाद किया, जिनके विशेष प्रयासों से डेमू ट्रेन की शुरूआत हुई, जिससे कठाणा और आस पास के क्षेत्रों से रोजगार एवं शिक्षा के लिया वडोदरा जाने वाले युवाओं, आस पास के गांव की जनता को इस ट्रेन के दुबारा शुरू होने से लाभ मिलेगा। उन्होंने लोगो से इस ट्रेन से ज्यादा से ज्यादा सफर कर सहयोग करने का भी अनुरोध किया, जिससे बढ़ती मांग को देखते हुए इसमें कोचों की संख्या बढ़ाई जा सके और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस सुविधा का लाभ मिल सके।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में वडोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने मुख्य अतिथि, माननीय जनप्रतिनिधिओं एवं अन्य अतिथिगणों का स्वागत किया तथा माननीय सांसद श्री मितेषभाई पटेल द्वारा रेल सुविधाएँ बढ़ाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की।

केवल वित्तपोषण ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शन भी स्टार्टअप्स की अगली पीढ़ी को आकार देगा: डॉ. जितेंद्र सिंह

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत में स्टार्टअप्स की अगली लहर को बढ़ावा देने के लिए मेंटरशिप एवं जोखिम लेने की संस्कृति पर बल दिया

विचारों से बाजार तक: सरकारी प्लेटफॉर्म स्टार्टअप्स को वित्त पोषण एवं उद्योग से जोड़ रहे हैं: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्टार्टअप्स को भारत के भविष्य के विकास का एक प्रमुख चालक बताते हुए कहा कि केवल वित्तपोषण ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शन भी स्टार्टअप्स की अगली पीढ़ी को आकार देगा।

मंत्री ने आज यहां भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) में उद्यमियों और छात्रों के साथ बातचीत करते हुए मजबूत मार्गदर्शन, अनुसंधान में जोखिम उठाने और युवा नवप्रवर्तकों को सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

महोत्सव के दूसरे दिन ह्यस्टार्टअप जर्नीह्न पर एक पैनल चर्चा के दौरान, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत विज्ञान शिक्षा तक सीमित पहुंच जैसी स्थिति से एक ऐसे चरण में पहुंच गया है जहां अवसरों का लोकतांत्रिकीकरण हो रहा है तथआ छोटे शहरों एवं सामान्य पृष्ठभूमि की प्रतिभाओं को उद्यमिता का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान नीतिगत मुद्दों से हटकर विचारों को बाजार से जोड़ने वाले सहायक तंत्रों के निर्माण पर केंद्रित हो गया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निरंतर प्रयासों से बार्क, राष्ट्रीय मिशन और क्षेत्र-विशिष्ट कार्यक्रमों जैसे योजना बनाने में मदद मिली है, जो स्टार्टअप्स को वित्त पोषण, उद्योग भागीदारों एवं मार्गदर्शकों से जोड़ते हैं। इस बात पर बल देते हुए कि नवाचार में अनिवार्य रूप से विफलता शामिल होती है, उन्होंने कहा कि अगर स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ना है और प्रतिस्पर्धा करनी है, तो भारत को अनुसंधान एवं विकास में जोखिम की पहचान एवं स्वीकार करना सीखना होगा।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे विज्ञान की प्रगति से भारत में रोजमर्रा की ज़िंदगी बदल गई है।

एमएनआरई ने सतत उद्योग विकास को बढ़ावा देने के लिए सौर विनिर्माण तंत्र में संतुलित, सुविचारित वित्तपोषण का आह्वान किया

एमएनआरई ने वैश्विक सौर मूल्य श्रृंखला में भारत की स्थिति को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई

नए नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण को रोकने या बंद करने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया गया है

(जीएनएस)।

भारत ने अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त कर लिया है। भारन ने इसे पेरिस समझौते में राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के तहत निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया है।

31 अक्टूबर 2025 तक, गैर-जीवाश्म स्रोतों से स्थापित क्षमता लगभग 259 गीगावाट है, जिसमें चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर 2025 तक 31.2 गीगावाट की वृद्धि हुई है।

कई स्थानों पर यह खबर आ रही है कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने अधिक्षमता की चिंताओं के बीच ऋणदाताओं को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नए वित्तपोषण को रोकने के लिए परामर्श जारी किया है।

एतद्द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि एमएनआरई ने वित्तीय संस्थाओं को नवीकरणीय ऊर्जा विद्युत परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण संयंत्रों को ऋण देना बंद करने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है।

तथापि, एमएनआरई ने वित्तीय सेवाएं विभाग और पीएफसी, आरईसी तथा आईआरईडीए जैसी एनबीएफसी को सौर पीवी विनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान स्थापित घरेलू विनिर्माण क्षमताओं की स्थिति की जानकारी दी है जिसमें सौर मॉड्यूल और सौर सेल, इनगॉट-वेफर्स, पॉलीसिलिकॉन जैसे अपस्ट्रीम चरण और साथ ही सौर ग्लास तथा एल्युमीनियम फ्रेम जैसे सहायक उपकरण शामिल हैं ताकि वित्तीय संस्थान सौर पीवी विनिर्माण क्षेत्र में किसी भी विनिर्माण संयंत्र के वित्तपोषण के प्रस्तावों का मूल्यांकन करते समय एक संतुलित तथा सुविचारित दृष्टिकोण अपना सके और केवल सौर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्रों के वित्तपोषण तक सीमित रहने के बजाय, सौर सेल, इनगॉट-वेफर्स और पॉलीसिलिकॉन जैसे अपस्ट्रीम चरणों के साथ-साथ सौर ग्लास तथा एल्युमीनियम फ्रेम जैसे सौर मॉड्यूल सहायक उपकरण आदि के लिए अपने सौर पीवी विनिर्माण पोर्टफोलियो का पता लगा सकें और उसका विस्तार कर सकें।

भारत सरकार सौर पीवी विनिर्माण में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और देश को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता को कई व्यापक पहलों के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है जिसमें उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए पीएलआई योजना और भारतीय निमार्ताओं को समान अवसर प्रदान करने के उपाय शामिल हैं।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि एआई और मशीन लर्निंग आधारित अनुप्रयोग भारत के विद्युत क्षेत्र में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

सक्रिय उपभोक्ता जुड़ाव सफल प्रौद्योगिकी अपनाने की कुंजी है

(जीएनएस)।

विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित अनुप्रयोग बुद्धिमान, उपभोक्ता-केंद्रित, स्व-अनुकूलित वितरण नेटवर्क के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मंत्री महोदय आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में विद्युत वितरण क्षेत्र में एआई/एमएल प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि एआई/एमएल आधारित समाधान, स्मार्ट मीटर एनालिटिक्स, डिजिटल ट्विन्स, पूवार्नुमानित रखरखाव, चोरी का पता लगाने वाली इंटेलिजेंस, उपकरण-स्तरीय उपभोक्ता अंतर्दृष्टि, स्वचालित आउटेज पूवार्नुमान और जेनएआई-

आधारित निर्णय समर्थन उपभोक्ता अनुभव और परिचालन दक्षता दोनों को बदल सकते हैं।

श्री मनोहर लाल ने राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्योग, राज्यों, नवप्रवर्तकों, शिक्षाविदों और प्रौद्योगिकी भागीदारों की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की। उन्होंने वितरण कंपनियों (डिस्कॉम), उन्नत मीटरिंग अवसंरचना सेवा प्रदाताओं (एएमआईएसपी), प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाताओं (टीएसपी) और गृह स्वचालन समाधान प्रदाताओं (एचएएसपी) द्वारा प्रस्तुत एआई/एमएल उपायों की प्रशंसा की।

मंत्री महोदय ने सभी डिस्कॉम कंपनियों से स्मार्ट, विश्वसनीय और उपभोक्ता-केंद्रित वितरण प्रणालियों की ओर बढ़ने के लिए इको-सिस्टम के साथ हितधारकों को मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को सक्रिय रूप से शामिल करने की भी आवश्यकता है। नई तकनीकों के बारे में कभी-कभी होने वाली गलत सूचनाओं को दूर करना और इस क्षेत्र में तकनीक को अपनाने के लिए उपभोक्ताओं का बहुमूल्य समर्थन हासिल करना महत्वपूर्ण है।

श्री लाल ने कहा कि एआई/एमएल आधारित समाधान प्रौद्योगिकी के एक शक्तिशाली आख्यान को उजागर करते हैं जो विश्वास बहाल करता है, परिवारों को अपनी खपत को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए सशक्त बनाता

संघर्ष को शक्ति में बदलना: रायपुर-विजाग कॉरिडोर का मानवीय प्रभाव

(जीएनएस)।

आगामी रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा उन लोगों के लिए एक लंबे समय से प्रतीक्षित समाधान जैसा लगता है जिनकी आजीविका इन दोनों शहरों के बीच के मार्ग पर निर्भर करती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित किया जा रहा रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा, छत्तीसगढ़ के जंगलों, ओडिशा के खनिज-समृद्ध क्षेत्रों और आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों तक फैला हुआ है। यह गलियारा कुल 16,482 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है और इसके दिसंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे मौजूदा एनएच-26 की 597 किमी की दूरी घटकर 465 किमी हो जाएगी - जिससे दूरी में 132 किमी और यात्रा समय में लगभग सात घंटे की बचत होगी। इससे ईंधन की बड़ी बचत होगी, जनता और माल ढुलाई ऑपरेटरों के लिए परिवहन लागत कम होगी।

जो काम पहले 12 घंटे में पूरा होता था, वह अब केवल 5 घंटे में पूरा हो जाएगा और प्रधानमंत्री गति शक्ति विजन के तहत तेज लॉजिस्टिक्स और निर्बाध कनेक्टिविटी के द्वार खुलेंगे। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के उद्योगों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा क्योंकि वे सीधे विशाखापत्तनम बंदरगाह और चेन्नई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ जाएंगे। इसका मतलब होगा बंदरगाहों और औद्योगिक केंद्रों से बेहतर कनेक्टिविटी, तेज निर्यात, सुचारू आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार को एक मजबूत बढ़ावा, जिससे लॉजिस्टिक्स दक्षता में भारी वृद्धि होगी। यह गलियारा पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और रोजगार सृजन तथा रियल एस्टेट विकास के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देगा।

तथ्य

6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश को जोड़ता है

यह 465 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है

7 घंटे और 132 किलोमीटर की दूरी कम करने में मदद मिलेगी

वित्त वर्ष 2026-27 में जनता के लिए खोला जाएगा

आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक तीव्र पहुंच

घर से दूर रातें बिताने वाले ट्रक ड्राइवरों, अपनी उपज के बाजार पहुंचने का बेसब्री से इंतजार करने वाले किसानों और नए अवसरों की तलाश में जुटे परिवारों के लिए यह गलियारा एक ज्यादा आशाजनक भविष्य की ओर ले जाने वाला रास्ता

बिहार में 'पाताल लोक' में शराब का खजाना! गुप्त तहखाने से 100 पेटियों में छिपी 955 लीटर विदेशी बोतलें

(जीएनएस)।

बिहार के शराबबंदी कानून को धता बताने वाले माफिया अब भूमिगत होकर भी कारोबार चला रहे हैं। समस्तीपुर जिले के कपूर्रीग्राम थाना क्षेत्र में पुलिस की एक छापेमारी ने सबको हैरान कर दिया। जमीन के नीचे 'पाताल लोक' सरीखा सीक्रेट तहखाना बनाकर छिपाई गई 955 लीटर महंगी विदेशी शराब बरामद हुई, जो करीब 100 पेटियों में पैक थी।

मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने इस 'फिल्मी' छिपाने की कला को नाकाम कर दिया। छापेमारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें अधिकारी खुदाई कर शराब की पेटियां निकालते नजर आ रहे हैं।

यह कार्रवाई शनिवार को गुप्त सूचना पर की गई। उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने नीरपुर वार्ड संख्या-1 के एक खेत में पहुंचकर सघन तलाशी ली। ऊपर से सामान्य दिखने वाली जमीन के नीचे माफिया ने गहरा तहखाना खोद रखा था- ऐसा कि किसी को भनक भी न लगे। तहखाने से निकली शराब में रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज जैसी प्रीमियम ब्रांड की तीन वैरायटी शामिल हैं। बरामद शराब

की अनुमानित कीमत लाखों में बताई जा रही है, जो अवैध बाजार में आसानी से बिक जाती।

माफिया की चालाकी: जमीन खोदकर बनाया 'अदृश्य' गुप्त कक्ष

उत्पाद अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया, 'शराब कारोबारियों ने बेहद सोच-समझकर यह तहखाना तैयार किया था। खेत के बीचोंबीच गहराई तक खुदाई की गई और ऊपर मिट्टी-पत्थरों से ढक दिया, ताकि हवाई निगरानी या सामान्य जांच से बच सकें। लेकिन हमारी खुफिया टीम की सतर्कता ने उनके मंसूबों को ध्वस्त कर दिया।' इस बरामदगी से न केवल माफिया को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि जिले में शराब तस्करी के नेटवर्क पर भी सवाल खड़े हो गए। विभाग ने साफ कहा कि आगे ऐसे अभियानों की तीव्रता बढ़ाई जाएगी, ताकि शराबबंदी कानून को मजबूत किया जा सके।

वीडियो में दिख रहा है कि टीम ने खुदाई मशीनों का सहारा लिया। जैसे-जैसे मिट्टी हटी, पेटियां बाहर आईं- एक के बाद एक। स्थानीय लोग भी इस 'भूमिगत खजाने' को देखकर दंग रह गए। एक ग्रामीण ने कहा, 'यह तो किसी थ्रिलर फिल्म जैसा लग रहा है। माफिया कितने बेशर्म हैं!'

बिहार में शराबबंदी: माफिया के नए-नए जुगाड़, लेकिन सख्ती जारी

बिहार में 2016 से लागू शराबबंदी एक क्रांतिकारी कदम था, जिसका उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों को कम करना, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाना और सामाजिक सुधार लाना था। इस कानून के तहत शराब की खरीद-बिक्री, निर्माण, भंडारण, परिवहन और सेवन पर सख्त पाबंदी है। उल्लंघन करने वालों को 10 साल तक की सजा और भारी जुमार्ना हो सकता है। लेकिन माफिया रुके नहीं- पिछले महीनों में एंबुलेंस, फल-सब्जियों के ट्रकों और यहां तक कि वाहनों के तहखानों में शराब तस्करी के कई केस पकड़े गए। जून में जमुई में कटहल के नीचे छिपाकर 710 लीटर शराब लाई जा रही थी, जबकि अक्टूबर में कैमूर में वाहनों के गुप्त कक्षों से 310 लीटर जब्त हुई।

समस्तीपुर जैसे जिलों में तस्करी का केंद्र बनने की आशंका है, क्योंकि यहां झारखंड और उत्तर प्रदेश की सीमाएं सटी हैं। उत्पाद विभाग का दावा है कि 2025 में अब तक 5,000 लीटर से अधिक शराब नष्ट की जा चुकी है। फिर भी, विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता अभियान और तकनीकी निगरानी (जैसे ड्रोन सर्विलांस) बढ़ाने की जरूरत है।

यह घटना बिहार सरकार के लिए चुनौती तो है, लेकिन विभाग की तत्परता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कानून का पालन कराने का इरादा पक्का है। माफिया के 'पाताल लोक' अब भी सुरक्षित नहीं रहेंगे।

सरस फूड फेस्टिवल 2025 : स्वाद, संघर्ष और लखपति दीदियों के सशक्तिकरण की कहानियाँ

(जीएनएस)।

दिसंबर की एक ठंड भरी सुबह, दिल्ली के सुंदर नर्सरी भारत के बेहतरीन क्षेत्रीय व्यंजनों का स्वाद चखने के लिए उत्सुक भीड़ की चहल-पहल से गुलजार थी। लेकिन प्रवेश द्वार के पास एक स्टॉल पर कुछ और ही चीज लोगों को अपनी ओर खींच रही थी, आत्मविश्वास की ऐसी रोशनी, जो किसी ऐसे व्यक्ति से निकलती है जो जानता है कि उसने न केवल अपना जीवन बदला है, बल्कि सैकड़ों अन्य लोगों की ज़िंदगी भी बदल दी है। काउंटर के पीछे मोहाली, पंजाब की श्रीमती वंदना भारद्वाज बेहद सरलता अपनी फुलकारी के कपड़े सजा रही थीं। हांलांकि फुलकारी की चमकीली कढ़ाई सर्दियों की धूप में झिलमिला रही थी, लेकिन यह उनकी ज़िंदगी की कहानी थी, जो उससे भी ज्यादा चमक रही थी। उन्होंने 2018 में एक छोटे से स्वयं सहायता समूह की दस महिलाओं में से एक के रूप में अपनी यात्रा शुरू की, जहां वे अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को संभालते हुए घर पर फुलकारी की सिलाई करती थीं। उनकी क्षमताएं जल्द ही उभर कर दिखने लगीं। पहले, उन्होंने अपने ग्राम संगठन में 19 स्वयं सहायता समूहों का नेतृत्व संभाला और बाद में वंदना 25 गाँवों में 500 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का नेतृत्व करने लगीं, जो कई औपचारिक संस्थाओं से भी बड़ा एक सामुदायिक उद्यम है। सरस फूड फेस्टिवल 2025 में उनके स्टॉल

पर न सिर्फ.कारीगरी के उत्पाद, बल्कि महिलाओं की सामूहिक प्रगति और सशक्तिकरण की झलक भी दिखाई देती है।

वंदना दीदी बताती हैं, "सरकार ने हर कदम पर हमारा साथ दिया।" हमें ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से सिलाई मशीनें और 30,000 रुपये की कार्यशील पूंजी मिली। इन प्रयासों ने हमें फुलकारी सिलाई को एक असल उद्यम में बदलने में मदद की। उनके नेतृत्व में, ग्रामीण महिलाएँ अब स्वेटर, स्कूल यूनिफॉर्म और विशेष रूप से बेहतरीन फुलकारी कपड़ों सहित कई प्रकार की उत्पाद तैयार करती हैं। उनकी कारीगरी इतनी नायाब है कि सरकारी विभाग राष्ट्रीय और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को भेंट करने के लिए उनके फुलकारी उत्पाद खरीदते हैं। सरकार अन्य देशों को निर्यात करने के लिए भी उनके उत्पाद खरीदती है।

पूरी सुंदर नर्सरी में, सरस फूड फेस्टिवल 2025 की हर गली में यही उत्साह गूंज रहा था। 25 राज्यों से लगभग 300 लखपति दीदियाँ और स्वयं सहायता समूह उद्यमी 500 से ज्यादा व्यंजन और दर्जनों हस्तनिर्मित उत्पाद लेकर आए थे, जिससे दिल्ली भारत के जोश और उत्साह से भरे स्थल में बदल गई। यहां हवा में दाल बाटी चूरमा, मालाबार बिरयानी, हिमाचली सिड्डू और तंदूरी चाय की खुशबू थी, लेकिन हर खुशबू के पीछे एक महिला की कहानी थी, जो उसकी रेसिपी जितनी ही दिलचस्प थी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा डीएवाई-एनआरएलएम के अंतर्गत आयोजित सरस आजीविका मेले, ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को सीधे बेचने, बिचौलियों को खत्म करने और बाजार तक पहुँच के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। पैकेजिंग, डिजाइन, संचार और विपणन पर कार्यशालाओं के जरिए ये मेले, उन्हें अपने उत्पादों को और बेहतर बनाने, आय बढ़ाने और देश भर और विदेशों के खरीदारों से जुड़ने के कौशल से लैस करते हैं।

वंदना दीदी के स्टॉल के ठीक सामने, ओडिशा की माँ एसएचजी की एक सदस्य ने अपनी हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई थी। 2019 में एसएचजी में शामिल होने के बाद, उन्होंने स्थानीय बिक्री से उठकर

खेलोगे तो खिलोगे, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौजवानों से कहा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया. उन्होंने नौजवानों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के हर युवा से अपेक्षा करते हैं कि वह किसी न किसी खेल से अवश्य जुड़े.

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौजवानों का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के हर युवा से अपेक्षा करते हैं कि वह किसी न किसी खेल से अवश्य जुड़े, क्योंकि ह्रखेलोगे तो खिलोगेह्र। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के रीजनल स्टेडियम में आयोजित ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सप्तम अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता-2025 के समापन अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विजेता उत्तर प्रदेश और उपविजेता पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर की टीम को पुरस्कृत किया और खिलाड़ियों को बधाई दी.

स्वस्थ शरीर से ही संभव है जीवन के सभी लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धर्म, कर्तव्य और जीवन के सभी लक्ष्य स्वस्थ शरीर से ही पूरे किए जा सकते हैं. स्वस्थ शरीर तभी संभव है जब व्यक्ति नियमित रूप से शारीरिक फिटनेस पर ध्यान दे. उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में देश में खेल संस्कृति को नई पहचान मिली है. आज भारत के खिलाड़ी ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ और विश्व चैंपियनशिप ज ै स ा ी प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि सांसद-विधायक ख ेल ो क ू द प्रतियोगिताएं हों या 'खेलो इंडिया' जैसे अभियान, हर स्तर पर खिलाड़ियों को अवसर मिल रहा है. इससे युवाओं में खेल के प्रति नई जागरूकता पैदा हुई है.

यूपी में तेजी से बढ़ रही खेल सुविधाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पहले से तीन स्पोर्ट्स कॉलेज थे, लेकिन अब सरकार ने निर्णय लिया है कि हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज, हर जिले में स्टेडियम और ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा. गांव-गांव में खेल मैदान और ओपन जिम बनाए जा रहे हैं. पंचायतों को मिलने वाली वित्तीय धनराशि में भी खेल गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा रही है. उन्होंने बताया कि मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर खेल विश्वविद्यालय का निर्माण हुआ है और इस वर्ष से वहां पहला शैक्षणिक सत्र भी शुरू हो चुका है. प्रदेश में तैयार की जा रही खेल सुविधाएं ओलंपिक, एशियन और कॉमनवेल्थ गेम्स के मानकों के अनुरूप विकसित की जा रही हैं.

विद्युत बिल राहत योजना में बढ़ाया बड़ा लाभ

31 मार्च 2025 के बाद भुगतान करने वाले बकायेदार भी होंगे लाभान्वित

(जीएनएस)।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने विद्युत बिल राहत योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को एक और बड़ी राहत प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पहले 31 मार्च 2025 के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। विभिन्न जनपदों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मंत्री श्री शर्मा से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, किंतु फिर भी उनका काफी बकाया शेष है, इसलिए उन्हें भी योजना का लाभ दिया जाए।

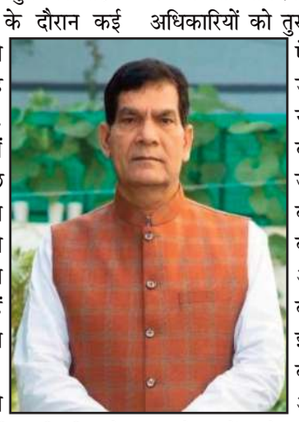

उपभोक्ताओं की इस पीड़ा और वास्तविक स्थिति को समझते हुए ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने अत्यंत संवेदनशीलता के साथ अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं को योजना के लाभ से वंचित न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना है, इसलिए भुगतान कर चुके किन्तु अब भी बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलना चाहिए।ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी।जनहित में लिए गए इस महत्वपूर्ण फैसले से प्रदेशभर के उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने वास्तव में जनता की परेशानी को समझा और राहत प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया है। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम उपभोक्ता हित और संवेदनशील

चौरासी कोसीय परिक्रमा की तिथि घोषित महंत नारायण दास

पहला आश्रम / सीतापुर। विश्व विख्यात फाल्गुन माह की अमावस्या के भोर से आयोजित होने वाली चौरासी कोसीय परिक्रमा की तिथि निर्धारित के लिए पहला आश्रम में बैठक आयोजित की गई। जिससे चौरासी कोसी परिक्रमा समिति के अध्यक्ष और पहला आश्रम के महंत नारायण दास ने बैठक की अध्यक्षता की बैठक में सर्वसम्मानित समिति के सचिव महंत संतोष दास खाकी बनगढ आश्रम द्वारा परिक्रमा की प्रारंभिक तिथि 18 फरवरी 2026 घोषित की गई। सचिव महंत संतोष दास खाकी ने बताया कि इस बार 18 फरवरी 2026 दिन बुधवार को सुबह 4 बजे नैमिषशारण्य के चक्रतीर्थ पर पारंपरिक पूजा-अर्चना के बाद चौरासी कोसी परिक्रमा अध्यक्ष व पहला आश्रम के महंत नारायण दास द्वारा डंका बजाने के साथ यह सनातन यात्रा प्रारंभ होगी। यह चौरासी कोसी परिक्रमा 3 मार्च दिन मंगलवार को मिश्रिख में पंचकोसी परिक्रमा के साथ पूर्ण होगी। मिश्रिख तीर्थ में पंचकोसी

परिक्रमा 27 फरवरी से 3 मार्च तक चलेगी। परिक्रमा समिति के सचेतक प्रस्तावक स्वामी विमलानंद सरस्वती ने परिक्रमार्थियों, संतों और महंतों की सुविधा के लिए परिक्रमा के पड़ाववार प्रभारियों की घोषणा की। मिश्रिख पड़ाव प्रभारी कुंवर अभिनेन्द्र प्रताप सिंह को नियुक्त किया गया है, जबकि शेष सभी पड़ाव प्रभारी पूर्व वर्षों की तरह यथावत रहेंगे। इस बार भी परिक्रमार्थियों की सुविधा के लिए सचल कार्यालय की सुविधा रहेगी, जिसमें महंत प्रीतमदास, महंत अनुभवदास, महंत सुमिरनदास ,महंत रामवालकदास अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। इस बार परिक्रमार्थियों के सुझाव और शिकायतों के निस्तारण की जिम्मेदारी महंत सरोज दास को सौंपी गई है। बैठक में महंत प्रहलाद दास, महंत राजनारायण पाण्डेय, महंत राम कुमार दास, अंजनी दास, राजा बख्स दास, अटल दास, संत आत्मप्रकाश, मीडिया प्रभारी सुनीत पाण्डेय सहित पड़ाव प्रभारी धर्म सिंह, निर्भय सिंह, दुर्गाशरण वर्मा, आलोक और हरिओम आदि लोग उपस्थित रहे

संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर का मनाया गया महा परिनिर्वाण दिवस

शहर से लेकर गांवों तक मनाया गया महा परिनिर्वाण दिवस

सीतापुर संविधान निमार्ता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर म्युनिस्पल मार्केट स्थित डॉ अम्बेडकर समाज सेवा समिति के पदाधिकारियों अधिवक्ता गणों ,व बहुजन समाज के अनुयायियों ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर मोम बत्ती जला कर भाव पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन संघर्षों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनिल कुमार ने कहा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने देश में भारतीय संविधान का निर्माण कर संपूर्ण समाज के उत्थान के लिए स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुत्व के विचार को आगे बढ़ाया और संविधान का निर्माण कर माध्यम वर्ग ,शोषितों, वंचितों समेत हर एक भारतीय के अधिकार को सुनिश्चित करने में व जाति पति छुआछूत ढोंग

आडंबर को समाप्त करने की अहम भूमिका निभाई। विशिष्ट वक्ता ने कहा नई पीढ़ी को बाबासाहेब के बताए रस्ते पर चलने की प्रेरणा लेनी चाहिए, उनके संघर्षों से सीख लेना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनिल कुमार विशिष्ट वक्ता अभिश्रांत, प्रोफेसर डॉ सुनील कुमार, डॉ प्रणिता सिंह, ने बाबा साहब के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर उनके संघर्षों को याद किया,और उनके किए गए कार्यों की सराहना की। बाबा साहब की मृत्यु 6 दिसंबर 1956 को दिल्ली में उनके आवास पर हुई थी,मृत्यु के समय 65 वर्ष की आयु थी, उस समय पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई थी।

करोड़ों लोगों के आंखों में आंसू बह रहे थे, मृत्यु की खबर मिलते ही उनके अंतिम दर्शन के लिए दिल्ली पहुंच गए थे। भारत रत्न बाबा साहब का नाम दुनिया में अजर अमर हो गया,युगों युगों तक बाबा साहब का नाम बड़े ही सम्मान के साथ लिया जाएगा। परि निर्वाण दिवस के अवसर पर अंबेडकर समाज सेवा समिति के अध्यक्ष सुंदरलाल बौद्ध, उपाध्यक्ष डॉक्टर गगन कुमार, महामंत्री बीडी वर्मा, कोषाध्यक्ष सतीश चंद्र गौतम, प्रचार मंत्री प्यारे लाल बौद्ध बीएल चौधरी राम प्रकाश चौधरी ,किशन एसपी गौतम, जेपी सुमन ,प्रमोद कुमार चौधरी,ए पी गौतम दीपांकर बौद्ध,चेतराम गौतम,डॉ बी आर अंबेडकर अधिवक्ता विचार मंच के एडवोकेट बीरून,बीएल चौधरी अनिल कुमार अनीश कुमार ,ज्योती यादव,उमेश कुमार ,संदीप भारती,राजकुमार बबलू कुमार,संतोष कुमार राव,अनुपम गौतम,उमेश कुमार शिव शंकर राजवंशी,सहित अन्य अधिवक्ता गण व मुन्ना लाल भारती,सर्वेश कुमार गौतम ,सहित सैकड़ो समाज सेवी मौजूद रहे।

किसान सहकारी समिति चीनी मिल महमूदाबाद का आकस्मिक निरीक्षण किया।

महमूदाबाद, सीतापुर।

जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने शनिवार को किसान सहकारी समिति चीनी मिल महमूदाबाद का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मिल में चल रही कार्यप्रक्रिया, कार्यक्षमता, सुरक्षा व्यवस्था तथा उत्पादन की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने मिल परिसर में मौजूद किसानों से संवाद स्थापित कर पर्ची वितरण की स्थिति जानी और उनकी समस्याओं को समझा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गन्ना तौल का कार्य पूरी शुद्धता और मानकों के अनुरूप किया जाए, किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने मिल प्रबंधन को आदेशित किया कि तौल कराने पहुंचे किसानों को मानक अनुसार आवश्यक सुविधाएं, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय आदि उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा मिल की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान जिला गन्ना अधिकारी रत्नेश्वर त्रिपाठी सहित चीनी मिल प्रबंधन के अधिकारी मौजूद रहे।

समाज वादी पार्टी के जिलाउपाध्यक्ष आरपी यादव ने पद भार ग्रहण कराया

(जीएनएस)।

संडीला हरदोई समाज वादी पार्टी के जिलाउपाध्यक्ष के अनुमोदन में समाज वादी पार्टी कार्यालय संडीला में 2027 में साइकिल की सरकार बनाने का काम किया जाए पार्टी को मजबूत करने के लिए आज पद भार ग्रहण कराया जिला सचिव चांद मिया विधान सभा अध्यक्ष विशाल अर्कवंशी के नेतृत्व में विधानसभा उपाध्यक्ष एसपी सिंह तेजपाल को

सिंह यादव विधान सभा सचिव विधान सभा उपाध्यक्ष अजय यादव निवासी रामनगर जिम्मेदारी सौपी गयी उपेंद्र सिंह ,अनुराग यादव , सचिन यादव ,बब्लू राठौर, रमेश सिंह ,प्रमोद शुक्ला , लालता यादव , आदि लोग मौजूद रहे

शीतलहर से सुरक्षा पर विशेष जागरूकता अभियान

सीतापुरः (महोली) जिला आपदा विशेषज्ञ श्री हीरा लाल जी के निदेर्शानुसार आगामी शीतकाल को देखते हुए, रविवार, 7 दिसंबर 2025 को तहसील महोली की ग्राम पंचायत बरातपुर के ग्राम चन्दपुरवा में शीतलहर से बचाव पर एक महत्वपूर्ण जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन आपदा मित्र आशीष कुमार ने किया, जिन्होंने हाल ही में राज्य आपदा मोचन बल (रउफ्रक्र), लखनऊ से 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है और एक मेडिकल फर्स्ट रिस्पॉन्डर (टक्र्फ्र) भी हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत में आपदा मित्र आशीष कुमार ने अपना परिचय दिया और बताया कि शीतलहर केवल ठंड नहीं, बल्कि एक स्वास्थ्य आपदा है। उन्होंने सरल भाषा में समझाया कि अत्यधिक ठंड से कैसे हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान खतरनाक रूप से गिरना) और फ्रॉस्टबाइट (अंगों का सुन्न होना) जैसे गंभीर खतरे उत्पन्न होते हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से बचाना जरूरी है।

प्रस्तुति के दौरान, आशीष कुमार ने रउफ्रक्र प्रशिक्षण पर आधारित कई महत्त्वपूर्ण सुरक्षा मंत्र दिए।

वस्त्रः उन्होंने 'परत दर परत' कपड़े पहनने की सलाह दी, जिससे शरीर की गर्मी बीच में हवा रोककर सुरक्षित रहती है। सिर, हाथ, और पैरों को ढकने पर जोर दिया गया, क्योंकि यहाँ से सबसे ज्यादा गर्मी निकलती है।

खान-पानः गरम तरल पदार्थ, सूप और काढ़े का लगातार सेवन करने की सलाह दी। साथ ही,शराब का सेवन न करने की कड़ी चेतावनी दी, क्योंकि यह शरीर को गर्मी का झूठा एहसास कराकर आंतरिक तापमान को तेजी से कम कर देता है।

सबसे महत्वपूर्ण चेतावनी घर को गर्म रखने से संबंधित थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बंद कमरे में अंगीठी, कोयला या हीटर कभी न जलाएं।"इनसे कार्बन मोनोऑक्साइड नामक रंगहीन और गंधहीन जहरीली गैस निकलती है, जो मीठी नींद के बहाने जानलेवा हो सकती है। यदि जलाना मजबूरी

हो, तो खिड़की/दरवाजा हल्का खुला रखना अनिवार्य है।"

आशीष कुमार ने बच्चों को एक परत ज्यादा कपड़े पहनाने और बुजुर्गों को अकेला न छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि कंपकंपी, भ्रम या तुतलाहट जैसे लक्षण दिखने पर उसे आपातकाल समझा जाए।

कार्यक्रम के अंत में, उन्होंने आपात स्थिति के लक्षण (नीला पड़ना, कंपकंपी) दिखने पर तत्काल गर्म जगह पर ले जाने, गीले कपड़े बदलने और बिना देरी किए डॉक्टर को बुलाने का टक्र्फ्र प्रोटोकॉल समझाया।

जन जागरूकता कार्यक्रम में ग्राम चन्दपुरवा और बरातपुर के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आपदा मित्र आशीष कुमार ने लोगों को आश्वस्त किया कि वे किसी भी आपातकाल के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय में, अपनी सेवा में हमेशा उपलब्ध हैं।

इस कार्यक्रम के मौके पर महिलाओं, बच्चों समेत गणमान्य व्यक्ति पुनई, रामखेलावन, गुड्डू सिंह, रामानन्द, रामदयाल, मनीष,अंकित, मुकेश आदि लोग उपस्थित रहे।

मुर्शिदाबाद जिले ने भारी विरोध के बीच रखी बाबरी मस्जिद की नींव, कहा-कोई भी ताकत रोक नहीं सकती

(जीएनएस)।

मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में शनिवार को अलग नजारा देखने को मिला। टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली नई मस्जिद की नींव रखी। यह कार्यक्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं था, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मंच पर मौलवियों के साथ फीता काट कर निर्माण के शुरूआत की औपचारिकता पूरी की।

बेलडांगा और आसपास के इलाकों में सुरक्षा की कड़ी तैयारी के बीच लाखों की भीड़ ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया। लोग दूर-दूर से अपने सिर, ट्रैक्टर, रिक्शा या वैन में ईंटें लेकर पहुंचे। कार्यक्रम में सऊदी अरब से धार्मिक नेता भी शामिल हुए

और विशाल स्टेज पर आयोजित इस आयोजन में 2 लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

नारे-ए-तकबीर के साथ शुरू हुआ कार्यक्रम

नींव स्थापना के दौरान श्रोता नारे-ए-तकबीर और "अल्लाहु अकबर" के नारे लगाते रहे। कार्यक्रम स्थल पर बेलडांगा और आसपास के जिलों से आए लोग अपनी-अपनी ईंटें लेकर पहुंचे। कुछ लोग ईंटें सिर पर उठाए, तो कुछ ट्रैक्टर-ट्रॉली, रिक्शा या वैन में लाकर मंच तक ले गए। अनुमान है कि कार्यक्रम में करीब 2 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

बेलडांगा और आसपास के इलाकों में सुबह से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। केंद्रीय सशस्त्र बलों की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ और स्थानीय पुलिस के लगभग 3 हजार जवान तैनात किए गए थे। इलाके में हाई अलर्ट की स्थिति जारी रही ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

हुमायूं कबीर का बयान

हुमायूं कबीर ने कहा कि मस्जिद निर्माण को रोकने की कई साजिशें रची जा रही हैं, लेकिन कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। उन्होंने यह भी कहा कि वे कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए मस्जिद की नींव रखेंगे। हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को घोषणा की थी कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर यह नींव रखेंगे। टीएमसी ने 4 दिसंबर को उन्हें पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

हाईकोर्ट ने रोक से किया इंकार

कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने से इनकार किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी होगी। इस आदेश के बाद ही हुमायूं कबीर ने बेलडांगा में मस्जिद की नींव रखी।

बड़े पैमाने पर तैयारियां

शिलान्यास कार्यक्रम के लिए 25 बीघा जमीन पर आयोजन किया गया। सऊदी अरब से धार्मिक नेता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। 150 फीट लंबा और 80 फीट चौड़ा स्टेज तैयार किया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था थी। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए 60 हजार से ज्यादा बिरयानी पैकेट भी तैयार किए गए थे। 2 हजार से अधिक वॉलंटियर्स ने व्यवस्थाओं को संभाला।

इस कार्यक्रम ने स्थानीय और राज्य स्तर पर ध्यान खींचा और इसे लेकर आसपास के जिलों में भी उत्साह और सुरक्षा के कड़े इंतजाम नजर आए।

₹3.6 लाख का बिल बकाया, 3 साल से वीआईपी छूट, क्या कटेगा कनेक्शन?

(जीएनएस)।

आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव एक नए विवाद में घिर गए हैं। उनके पटना स्थित बेउर के निजी आवास पर तीन साल से अधिक समय से बिजली बिल बकाया है, जिसकी राशि ₹3.6 लाख तक पहुंच गई है।

बिजली कंपनी के नियमों के अनुसार, ₹25,000 से अधिक बिल बकाया होने पर कनेक्शन काट दिया जाता है, लेकिन तीन साल से बिल जमा न होने के बावजूद उनके कनेक्शन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस विशेष छूट और लापरवाही ने बिजली विभाग की निष्पक्षता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

निजी आवास पर तीन साल का भारी बकाया

लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव के पटना स्थित बेउर निजी आवास पर बिजली कंपनी का ₹3.6 लाख से अधिक का बिल बकाया है। यह बकाया जुलाई 2022

के बाद से जमा नहीं किया गया है, जिसका मतलब है कि तीन साल से अधिक समय से भुगतान रुका हुआ है। बिजली कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, बकाया राशि ₹3,24,974 है, जिसमें ₹23,681 का जुमार्ना भी शामिल है। यह भारी बकाया आरजेडी नेता के लिए एक नई विवादित स्थिति खड़ी कर रहा है।

ये भी पढें: ईं१: अंग्रेजी में शपथ लेने वाले टछअ विष्णुदेव पासवान कौन? चिराग पासवान से क्या है कनेक्शन

नियमों का उल्लंघन का आरोप

सबसे बड़ा सवाल यह है कि कंपनी के नियमों का उल्लंघन क्यों किया गया। बिजली कंपनी के नियमानुसार, पोस्टपेड कनेक्शन पर ₹25,000 से अधिक बकाया होने पर कनेक्शन काट दिया जाता है। तेज प्रताप यादव के कनेक्शन पर ₹3.6 लाख बकाया होने के बावजूद, तीन साल तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह स्थिति बिजली विभाग की निष्पक्षता और जवाबदेही पर सीधे सवाल उठाती है कि एक वीआईपी उपभोक्ता को नियम तोड़ने की विशेष छूट क्यों दी गई, जबकि आम जनता का कनेक्शन तुरंत काट दिया जाता है।

पोस्टपेड मीटर की 'विशेष व्यवस्था'

यह विवाद तब और गहरा जाता है जब यह सामने आता है कि पूरे बिहार में बड़े बकाए से बचने के लिए उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने पर जोर दिया गया था। इसके बावजूद, तेज प्रताप यादव के बेउर आवास पर अभी भी पोस्टपेड मीटर ही लगा है, जो जुलाई 2012 में जारी किया गया था। यह सवाल उठता है कि क्या यह जानबूझकर की गई विशेष व्यवस्था थी या विभाग की घोर लापरवाही। इस वीआईपी कनेक्शन को प्रीपेड योजना में क्यों नहीं बदला गया, इस पर बिजली विभाग को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

विवादित स्थिति और राजनीतिक सवाल

हालिया विधानसभा चुनाव में आरजेडी की हार के बाद तेज प्रताप यादव के सामने यह नया विवाद खड़ा हो गया है। ₹3.6 लाख का भारी-भरकम बकाया और उस पर कार्रवाई न होना, न केवल बिजली विभाग की निष्पक्षता पर संदेह पैदा करता है,